भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

भू-स्थानिक अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए आईआईटी भुवनेश्वर और भारतीय सर्वेक्षण विभाग के बीच समझौता ज्ञापन

भुवनेश्वर, 26 नवंबर 2025: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर और भारतीय सर्वेक्षण विभाग (एसओआई) के ओडिशा और छत्तीसगढ़ भू-स्थानिक निदेशालय ने जियोडेसी, भू-सूचना विज्ञान, मानचित्रण प्रौद्योगिकियों और भू-स्थानिक अनुसंधान के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए 25 नवंबर 2025 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

समझौता ज्ञापन पर आईआईटी भुवनेश्वर के डीन (प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक परामर्श) प्रो. दिनाकर पासला और भारतीय सर्वेक्षण विभाग के ओडिशा और छत्तीसगढ़ भू-स्थानिक निदेशालय के निदेशक श्री आशीष कौसल, आईईएस ने डॉ. राज के. सिंह, प्रमुख, स्कूल ऑफ अर्थ, ओशन एंड क्लाइमेट साइंसेज (एसईओसीएस), आईआईटी भुवनेश्वर, डॉ. आशिम सत्तार, सहायक की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। प्रोफेसर, एसईओसीएस, आईआईटी भुवनेश्वर, श्री भरत कुंभार, अधीक्षण सर्वेक्षक, एसओआई और श्री शकील आलम, अधिकारी सर्वेक्षक, एसओआई।

साझेदारी का उद्देश्य भू-स्थानिक विज्ञान में भारतीय सर्वेक्षण विभाग की तकनीकी विशेषज्ञता को रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोगों, भू-गतिशील अध्ययन, जलवायु विज्ञान और पृथ्वी विज्ञान में आईआईटी भुवनेश्वर की अनुसंधान शक्ति के साथ जोड़ना है। इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से, दोनों संस्थान वैज्ञानिक और तकनीकी जानकारी के आदान-प्रदान की सुविधा, अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाने और उभरती भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करेंगे।

समझौते के हिस्से के रूप में, आईआईटी भुवनेश्वर और भारतीय सर्वेक्षण विभाग संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं शुरू करेंगे, ज्ञान साझा करने को बढ़ावा देंगे और भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में क्षमता निर्माण और वैज्ञानिक समझ को आगे बढ़ाने के लिए सहयोगी कार्यशालाओं, व्याख्यानों और सम्मेलनों की मेजबानी करेंगे।